Journal Homepage: www.ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

International Journal of Advance Research Publication and Reviews

Vol 03, Issue 8, pp 513-519, August, 2026

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की भूमिका

प्रो. छत्रसाल सिंह

आचार्य (शिक्षाशास्त्र), शिक्षा विद्या शाखा
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
E-mail : **chhatrasal.2011@gmail.com**

भूमिका :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह नीति शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन की प्रक्रिया न मानकर व्यक्तित्व के समग्र विकास, सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार, कौशल-विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को विशेष महत्व प्रदान किया गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की परिकल्पना की गई, जिसका प्रमुख उद्देश्य देश में अनुसंधान की संस्कृति को विकसित करना, उत्कृष्ट शोध को प्रोत्साहित करना, अनुसंधान संस्थानों एवं उच्च शिक्षण संस्थाओं को वित्तीय तथा संस्थागत सहयोग प्रदान करना तथा शोध के परिणामों को सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास से जोड़ना है।

वर्तमान में राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की अवधारणा को संस्थागत रूप देते हुए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अधिनियम, *2023* के अंतर्गत अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF) की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, गणित, पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के वैज्ञानिक अंतर्संबंधों में अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता को रणनीतिक दिशा प्रदान करना है।

यह शोध-पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसंधान संबंधी दृष्टिकोण तथा राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की भूमिका का विश्लेषण करता है। साथ ही, शोध संस्कृति के विकास, अनुसंधान वित्तपोषण, नवाचार, अंतर्विषयक अध्ययन, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा राष्ट्रीय विकास में इसकी उपयोगिता का विवेचन किया गया है।

मुख्य शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अनुसंधान, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, ANRF, नवाचार, उच्च शिक्षा, शोध संस्कृति, अंतर्विषयक शिक्षा।

1. प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक विकास का आधार होती है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना एवं ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में समस्या-समाधान, तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार तथा सृजनात्मकता का विकास करना भी है। किसी देश की प्रगति उसके ज्ञान-संसाधनों, वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा अनुसंधान क्षमता पर निर्भर करती है। इसलिए उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की उपलब्धता राष्ट्रीय विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

भारत में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं, किंतु अनुसंधान की गुणवत्ता, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, शोध अवसंरचना, संस्थागत सहयोग तथा शोध निष्कर्षों के व्यावहारिक उपयोग से संबंधित अनेक चुनौतियाँ लंबे समय से विद्यमान रही हैं। अनेक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शोध की संस्कृति अपेक्षाकृत कमजोर रही है। विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों तथा छोटे उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध सुविधाओं, प्रशिक्षित शोध-मार्गदर्शकों एवं वित्तीय सहायता का अभाव देखा गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा में अनुसंधान एवं नवाचार को केंद्रीय स्थान प्रदान किया है। नीति में बहुविषयक एवं अंतर्विषयक शिक्षा, अनुसंधान-आधारित शिक्षण, नवाचार तथा ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने एक ऐसे राष्ट्रीय निकाय की आवश्यकता व्यक्त की जो विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट शोध को वित्तीय सहायता प्रदान करे तथा देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान की संस्कृति का विस्तार करे। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की परिकल्पना की गई।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : अवधारणा एवं उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, बहुविषयक, लचीला, गुणवत्तापूर्ण तथा भविष्य उन्मुख बनाने का प्रयास करती है। यह नीति शिक्षा के सभी स्तरों—प्रारंभिक शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा शोध एवं नवाचार—में व्यापक परिवर्तन की संकल्पना प्रस्तुत करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समतामूलक शिक्षा उपलब्ध कराना।
2. शिक्षा में समान अवसर, सामाजिक न्याय तथा समावेशन को बढ़ावा देना।
3. विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं कौशलात्मक विकास पर बल देना।
4. रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन तथा समस्या-समाधान क्षमता का विकास करना।
5. शिक्षा में बहुविषयक एवं अंतर्विषयक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना।
6. उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति विकसित करना।
7. भारतीय भाषाओं, स्थानीय ज्ञान एवं सांस्कृतिक मूल्यों को शिक्षा से जोड़ना।
8. शिक्षा में प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना।
9. शिक्षा और रोजगार के मध्य संबंध को सुदृढ़ करना।
10. भारत को ज्ञान-आधारित एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाज के रूप में विकसित करना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा में बहुविषयक संस्थानों के विकास, शैक्षिक लचीलेपन, संस्थागत स्वायत्तता तथा उत्कृष्ट सहकर्मी-समीक्षित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की परिकल्पना करती है।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुसंधान का महत्त्व

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, ज्ञान के निर्माण एवं समाज की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए अनुसंधान आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान न केवल वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति को गति देता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण योगदान करता है।

नीति में अनुसंधान को निम्न आधारों पर महत्त्व दिया गया है—

3.1 ज्ञान का सृजन

अनुसंधान नवीन ज्ञान के निर्माण का प्रमुख माध्यम है। इसके माध्यम से नई अवधारणाओं, सिद्धांतों एवं समाधानों का विकास होता है। शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन तथा शैक्षिक प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता करता है।

3.2 नवाचार का विकास

अनुसंधान नवीन तकनीकों, उत्पादों, प्रक्रियाओं एवं सेवाओं के विकास का आधार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसंधान को नवाचार तथा उद्यमिता से जोड़ने पर बल देती है।

3.3 राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान

भारत के समक्ष गरीबी, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि, ऊर्जा, शिक्षा, बेरोजगारी तथा सामाजिक असमानता जैसी अनेक चुनौतियाँ हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित अनुसंधान की आवश्यकता है।

3.4 उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि

अनुसंधान-आधारित उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतर होती है। शिक्षक एवं विद्यार्थी नवीन ज्ञान से परिचित होते हैं तथा शिक्षण प्रक्रिया अधिक सृजनात्मक एवं प्रभावी बनती है।

3.5 वैश्विक प्रतिस्पर्धा

वर्तमान युग ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का युग है। अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से भारत वैश्विक ज्ञान-व्यवस्था में अपनी भूमिका को सुदृढ़ कर सकता है।

4. राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की अवधारणा

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत एक ऐसे शीर्ष राष्ट्रीय निकाय के रूप में की गई थी, जो देश में अनुसंधान, नवाचार एवं शोध संस्कृति को प्रोत्साहित कर सके। इसका उद्देश्य विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट अनुसंधान को प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर सहायता प्रदान करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान की क्षमता का विकास करना है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की मूल अवधारणा निम्नलिखित बिंदुओं पर आधारित है—

1. सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को प्रोत्साहन देना।
2. शोध परियोजनाओं को प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर वित्तीय सहायता देना।
3. अनुसंधान प्रस्तावों का निष्पक्ष एवं विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन कराना।
4. विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शोध संस्कृति विकसित करना।
5. शोध की दृष्टि से कमजोर संस्थानों को विशेष सहयोग प्रदान करना।
6. अनुसंधान को राष्ट्रीय एवं सामाजिक आवश्यकताओं से जोड़ना।
7. उद्योग, सरकार तथा शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग स्थापित करना।
8. अनुसंधान के परिणामों को नवाचार एवं व्यावहारिक उपयोग में परिवर्तित करना।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए संसद द्वारा अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अधिनियम*, 2023* पारित किया गया। इस अधिनियम के अंतर्गत ANRF को अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता के लिए उच्च स्तरीय रणनीतिक दिशा प्रदान करने वाला राष्ट्रीय संस्थान बनाया गया है।

5. राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की प्रमुख भूमिकाएँ

5.1 अनुसंधान के लिए वित्तीय सहायता

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की प्रमुख भूमिका उत्कृष्ट अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। शोध के लिए प्रयोगशालाओं, उपकरणों, तकनीकी संसाधनों, शोध-सामग्री तथा अन्य सुविधाओं की आवश्यकता होती है। पर्याप्त वित्तीय सहायता के अभाव में अनेक महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाएँ पूर्ण नहीं हो पाती हैं।

फाउंडेशन विभिन्न विषयों में गुणवत्तापूर्ण शोध प्रस्तावों का मूल्यांकन कर उन्हें अनुदान प्रदान कर सकता है। इससे शोधकर्ताओं को नवीन एवं उपयोगी विषयों पर कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे।

5.2 अनुसंधान संस्कृति का विकास

भारत के अनेक उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान की संस्कृति पर्याप्त रूप से विकसित नहीं है। राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का उद्देश्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शोध के प्रति रुचि तथा अनुकूल वातावरण का निर्माण करना है।

इसके माध्यम से शोध-प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ एवं शोध परियोजनाएँ आयोजित की जा सकती हैं। इससे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति जागरूकता तथा रुचि बढ़ेगी।

5.3 उत्कृष्ट अनुसंधान को प्रोत्साहन

फाउंडेशन का उद्देश्य केवल शोध की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि शोध की गुणवत्ता में सुधार करना भी है। उत्कृष्ट, मौलिक, नवीन तथा समाजोपयोगी अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाएगा।

अनुसंधान प्रस्तावों का मूल्यांकन विशेषज्ञों एवं सहकर्मी-समीक्षा की प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकता है। इससे अनुसंधान में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिलेगा।

5.4 बहुविषयक एवं अंतर्विषयक अनुसंधान

वर्तमान समय की अधिकांश समस्याएँ किसी एक विषय तक सीमित नहीं हैं। उदाहरण के लिए, पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए विज्ञान,

भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, कानून एवं नीति-अध्ययन की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं के मध्य सहयोग को प्रोत्साहित कर सकता है। इससे जटिल समस्याओं के व्यापक एवं व्यावहारिक समाधान विकसित किए जा सकेंगे।

5.5 राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को सहयोग

देश के अनेक राज्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में शोध सुविधाएँ सीमित हैं। राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन ऐसे संस्थानों को शोध क्षमता विकसित करने में सहायता प्रदान कर सकता है।

विशेष सहयोग के माध्यम से शोध अवसंरचना, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, डिजिटल संसाधन तथा प्रशिक्षित शोध-मार्गदर्शकों की उपलब्धता में वृद्धि हो सकती है। इससे अनुसंधान कुछ चुनिंदा संस्थानों तक सीमित न रहकर व्यापक स्तर पर विकसित होगा।

5.6 उद्योग-अकादमिक सहयोग

राष्ट्रीय विकास के लिए अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उद्योगों तथा सरकारी विभागों के बीच सहयोग आवश्यक है। राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन इन विभिन्न क्षेत्रों के मध्य समन्वय स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ANRF के अंतर्गत उद्योग, अकादमिक संस्थानों, सरकारी विभागों तथा शोध संस्थानों के बीच सहयोग एवं सहभागिता को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था की गई है।

5.7 नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन

अनुसंधान का उद्देश्य केवल शोध-पत्र प्रकाशित करना नहीं होना चाहिए। शोध के निष्कर्षों को उपयोगी उत्पादों, तकनीकों एवं सेवाओं में परिवर्तित करना भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन नवाचार, स्टार्टअप तथा उद्यमिता को प्रोत्साहित करके अनुसंधान के परिणामों को समाज एवं अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी बना सकता है।

5.8 राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अनुसंधान

फाउंडेशन राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर अनुसंधान को प्राथमिकता प्रदान कर सकता है। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल, ऊर्जा, पर्यावरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इस प्रकार अनुसंधान को राष्ट्रीय आवश्यकताओं से जोड़कर देश के विकास में प्रभावी योगदान दिया जा सकता है।

6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का पारस्परिक संबंध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन एक-दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान एवं नवाचार की व्यापक शैक्षिक दृष्टि प्रस्तुत करती है, जबकि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन उस दृष्टि को संस्थागत एवं व्यावहारिक रूप प्रदान करने का माध्यम है।

इन दोनों के मध्य संबंध को निम्न प्रकार से समझा जा सकता है—

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन
अनुसंधान एवं नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित करती है	अनुसंधान एवं नवाचार को संस्थागत सहयोग प्रदान करता है
बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देती है	अंतर्विषयक शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है
उच्च शिक्षा में शोध संस्कृति विकसित करने का लक्ष्य रखती है	शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को सहायता प्रदान करता है
गुणवत्तापूर्ण शोध पर बल देती है	उत्कृष्ट शोध प्रस्तावों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है
शिक्षा को राष्ट्रीय विकास से जोड़ती है	राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है
नवाचार एवं उद्यमिता को महत्त्व देती है	शोध को नवाचार एवं व्यावहारिक उपयोग से जोड़ता है

इस प्रकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसंधान की नीति-आधारित रूपरेखा प्रदान करती है तथा राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन उसके क्रियान्वयन के लिए संस्थागत आधार उपलब्ध कराता है।

7. शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की संभावित भूमिका

शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। इसके माध्यम से निम्नलिखित क्षेत्रों में शोध को प्रोत्साहित किया जा सकता है—

1. विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार।
2. शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का अध्ययन।
3. नई शिक्षण विधियों का विकास।
4. शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल शिक्षा का अध्ययन।
5. शिक्षक शिक्षा एवं शिक्षक-प्रशिक्षण में सुधार।
6. समावेशी शिक्षा एवं विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा।
7. भारतीय भाषाओं में शिक्षा एवं शिक्षण-सामग्री का विकास।
8. ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन।
9. शैक्षिक उपलब्धि एवं अधिगम परिणामों का विश्लेषण।
10. शिक्षा में सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं का अध्ययन।
11. मूल्य शिक्षा एवं जीवन-कौशल के विकास पर अनुसंधान।
12. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का मूल्यांकन।

शैक्षिक अनुसंधान के माध्यम से शिक्षा से संबंधित समस्याओं की वैज्ञानिक पहचान की जा सकती है तथा प्रमाण-आधारित समाधान विकसित किए जा सकते हैं।

8. राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। इसके समक्ष कुछ प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं—

8.1 पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के लिए पर्याप्त एवं निरंतर वित्तीय सहायता आवश्यक है। यदि शोध अनुदान सीमित होंगे, तो फाउंडेशन अपने उद्देश्यों को व्यापक स्तर पर पूरा नहीं कर सकेगा।

8.2 संस्थागत असमानता

देश के प्रमुख संस्थानों तथा छोटे विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शोध संसाधनों में व्यापक अंतर है। इस असमानता को कम करना एक बड़ी चुनौती है।

8.3 शोध क्षमता का विकास

कई संस्थानों में प्रशिक्षित शोधकर्ता, विशेषज्ञ मार्गदर्शक तथा आधुनिक शोध सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए केवल वित्तीय सहायता पर्याप्त नहीं होगी; शोध-क्षमता के विकास की भी आवश्यकता होगी।

8.4 पारदर्शिता एवं निष्पक्षता

शोध परियोजनाओं के चयन एवं वित्तपोषण में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है। सहकर्मी-समीक्षा की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए।

8.5 अनुसंधान की गुणवत्ता

शोध की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उसकी मौलिकता, विश्वसनीयता एवं सामाजिक उपयोगिता पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

8.6 शोध निष्कर्षों का व्यावहारिक उपयोग

कई बार शोध के निष्कर्ष शोध-पत्रों तक सीमित रह जाते हैं। उन्हें नीति-निर्माण, उद्योग, शिक्षा तथा सामाजिक विकास में उपयोग करना आवश्यक है।

8.7 ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों की भागीदारी

अनुसंधान के अवसर केवल बड़े एवं विकसित संस्थानों तक सीमित नहीं होने चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे महाविद्यालयों तथा वंचित समूहों के शोधकर्ताओं को भी समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

9. राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन को प्रभावी बनाने के सुझाव

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं—

1. अनुसंधान के लिए पर्याप्त एवं दीर्घकालिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ।
2. राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को विशेष शोध सहायता प्रदान की जाए।
3. शोधकर्ताओं के लिए नियमित प्रशिक्षण एवं क्षमता-विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
4. अनुसंधान प्रस्तावों के मूल्यांकन में पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई जाए।
5. बहुविषयक एवं अंतर्विषयक शोध परियोजनाओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।
6. शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण तथा सामाजिक विकास से संबंधित स्थानीय समस्याओं पर शोध को बढ़ावा दिया जाए।
7. उद्योग, विश्वविद्यालय एवं सरकारी संस्थानों के मध्य सहयोग बढ़ाया जाए।
8. शोध निष्कर्षों को नीति-निर्माण तथा सामाजिक विकास से जोड़ा जाए।
9. भारतीय भाषाओं में अनुसंधान एवं शोध-प्रकाशन को प्रोत्साहित किया जाए।
10. महिला शोधकर्ताओं तथा वंचित वर्गों के शोधकर्ताओं को विशेष अवसर प्रदान किए जाएँ।
11. शोध में नैतिकता, मौलिकता तथा उत्तरदायित्व को अनिवार्य बनाया जाए।
12. अनुसंधान परियोजनाओं की नियमित समीक्षा एवं प्रभाव मूल्यांकन किया जाए।

10. निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, नवाचार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इस नीति ने अनुसंधान को उच्च शिक्षा का अभिन्न अंग माना है तथा देश में व्यापक शोध संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसंधान संबंधी उद्देश्यों को क्रियान्वित करने का एक महत्त्वपूर्ण संस्थागत माध्यम है। इसके माध्यम से उत्कृष्ट शोध को वित्तीय सहायता, शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन, उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध क्षमता का विकास तथा अनुसंधान एवं नवाचार के मध्य संबंध को सुदृढ़ किया जा सकता है।

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अधिनियम, 2023 के अंतर्गत स्थापित ANRF को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के अंतर्संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता को रणनीतिक दिशा देने का दायित्व प्रदान किया गया है।

यदि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन पर्याप्त वित्तीय संसाधनों, पारदर्शी व्यवस्था, समावेशी दृष्टिकोण तथा प्रभावी संस्थागत सहयोग के साथ कार्य करता है, तो यह भारत में अनुसंधान एवं नवाचार की एक सुदृढ़ संस्कृति विकसित कर सकता है। इससे विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की शोध क्षमता में वृद्धि होगी तथा भारत ज्ञान, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकेगा।

अतः कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसंधान-आधारित भारत की वैचारिक एवं नीतिगत आधारशिला है, जबकि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन उस दृष्टि को व्यवहार में परिवर्तित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण संस्थागत तंत्र है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भारत सरकार। (2020)। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020*। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
2. भारत सरकार। (2023)। *अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अधिनियम, 2023*। भारत सरकार।
3. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020*।

4. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। *अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF)*।
5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग। *उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान से संबंधित विभिन्न दिशा-निर्देश*।
6. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधित शैक्षिक संसाधन*।
7. भारत सरकार। *उच्च शिक्षा में अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी नीतिगत दस्तावेज*।
8. अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन। *ANRF कार्यक्रम एवं अनुसंधान सहायता संबंधी दस्तावेज*।